भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 675

जिसका उत्तर 03 दिसंबर, 2025 को दिया जाना है ।

12 अग्रहायण, 1947 (शक)

वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र

675. श्री बिप्लब कुमार देब:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस विचार से सहमत है कि देश के पास वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र बनने का एक अनूठा अवसर है; और

(ख) यदि हाँ, तो यह ध्यान में रखते हुए कि एआई पर केंद्रित प्रयास भारत को अगले दशक में एआई प्रौद्योगिकी में एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकर्ता के रूप में स्थापित कर सकता है, सरकार द्वारा प्रस्तावित पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) और **(ख):** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं, उद्योगों और समाज को अभूतपूर्व गति से बदल रहा है। भारत के लिए, यह वैश्विक एआई हब के रूप में उभरने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करता है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, सरकार एआई प्रौद्योगिकी के विकास और उपयोग हेतु लोकतंत्रीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

इस दृष्टिकोण के भाग के रूप में, भारत पैमाने, प्रतिभा, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और तेजी से प्रौद्योगिकी अपनाने हेतु अपनी शक्ति का लाभ उठा रहा है।

<u>एआई नेतृत्व के लिए भारत का रणनीतिक दृष्टिकोण:</u>

इस दृष्टिकोण को क्रियान्वित करने के लिए, सरकार ने मार्च 2024 में **इंडियाएआई मिशन को मंजूरी दी**। इसे एक व्यापक, समावेशी और टिकाऊ एआई इकोसिस्टम बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर के प्रयास के रूप में डिज़ाइन किया गया है।

एआई मिशन के सात स्तंभ इस प्रकार हैं:

1. **इंडियाएआई कंप्यूट क्षमता:** इसका उद्देश्य एमएसएमई और स्टार्टअप सहित सभी को किफ़ायती कीमत पर हाई-एंड कंप्यूट पावर (जीपीयू) प्रदान करना है।

2. **इंडियाएआई फाउंडेशन मॉडल:** भारतीय डेटासेट और भाषाओं पर प्रशिक्षित भारत के अपने बड़े मल्टीमॉडल मॉडल (एलएमएम) विकसित करना। यह जनरेटिव एआई में संप्रभु क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए है।

3. **एआईकोश:** एआई मॉडल के प्रशिक्षण के लिए बड़े डेटासेट विकसित करना। एआईकोश एक एकीकृत डेटा प्लेटफॉर्म है जो सरकारी और गैर-सरकारी स्रोतों से डेटासेट को एकीकृत करता है।

4. **इंडियाएआई अनुप्रयोग विकास पहल:** जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, शासन, सीखने की अक्षमता आदि जैसे क्षेत्रों में भारत के लिए विशिष्ट चुनौतियों के लिए एआई अनुप्रयोगों को विकसित करना।

5. **इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स:** एआई डोमेन में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की संख्या में वृद्धि करके भारत में एआई कुशल पेशेवरों को विकसित करना। यह पूरे भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों में डेटा और एआई लैब स्थापित करने की भी कल्पना करता है।

6. **इंडियाएआई स्टार्टअप फाइनेंसिंग:** एआई स्टार्ट-अप को वित्तीय सहायता प्रदान करना।
7. **सुरक्षित और विश्वसनीय एआई:** जिम्मेदार एआई अधिग्रहण को सुनिश्चित करने के लिए सुदृढ़ शासन ढांचे के साथ नवाचार को संतुलित करना।

सरकार ने सुरक्षित, समावेशी और जिम्मेदार एआई उपयोग हेतु एक व्यापक रोडमैप के रूप में इंडिया एआई शासन संबंधी दिशानिर्देश जारी किए है।

वैश्विक मंच पर भारत

भारत वैश्विक एआई वार्तालापों को आकार देने में सक्रिय रहा है। इसने एआई पर वैश्विक साझेदारी (जीपीएआई) जैसे मंचों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां इसने वर्ष 2023 में अपनी जी20 अध्यक्षता के दौरान परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है।

हाल ही में, भारत ने फ्रांस के साथ पेरिस एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता की।

भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026

भारत 16-20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी करेगा।

- पहली बार, वैश्विक एआई समिट सीरीज़ वैश्विक साउथ में होगी। यह बदलाव एक अधिक समावेशी वैश्विक एआई संवाद की ओर एक व्यापक कदम का संकेत देता है।
- शिखर सम्मेलन से पहले, दुनिया भर में 200 से अधिक पूर्व-शिखर सम्मेलन कार्यक्रम पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं।
- पिच फेस्ट, इनोवेशन चैलेंजेज (एआई-फॉर ऑल, एआई-बाय एचईआर, युव एआई) और एक वैश्विक शोध संगोष्ठी सहित सात प्रमुख पहलें चल रही हैं।
- आयोजक और संस्थान आधिकारिक शिखर सम्मेलन के एजेंडे का हिस्सा बनने के लिए कार्यक्रमों का प्रस्ताव दे सकते हैं।

शिखर सम्मेलन के दौरान, चर्चा सात विषयगत "चक्रों" यानी मानव पूंजी, समावेशन, सुरक्षित और विश्वसनीय एआई, लचीलापन, नवाचार और दक्षता, एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, और आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए एआई पर केन्द्रित रहेगी।

****